

पद ३३९

(राग: झिंजोटी - ताल: दादरा)

मुश्किलकु पार करो मेरे मुर्तजा अली । लेते ही नाम तुम्हारा आयी
सो बला टली ॥ध्रु.॥ मानिकके बाली हो तुम दो जहां के बीच
सग है तुम्हारे दरका । फिरता है गली गली ॥१॥